वार्षिक पाठ्यक्रम: 2024-25

कक्षा – 8

विषय – हिंदी

क्र. सं.	(वसंत भाग 3) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
1	**पाठ 2** **लाख की चूड़ियाँ (कामतानाथ)**	**कहानी / औद्योगिकीकरण परंपरागत ग्रामीण लघु एवं कुटीर उद्योगों के दिनानुदिन लुप्तप्राय होने के कारण पेशेवर कामगारों की व्यथा का वर्णन**	● आंचलिक शब्दों का उच्चारण, प्रयोग ● उपसर्ग एवं प्रत्यय ● पर्यायवाची शब्द ● देशज शब्दों से परिचय।	● कहानी विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, ● परंपरागत परिवेश, वस्तुओ के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● लोगों के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, ● विभिन्न वस्तुओं के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, ● अपनी परंपरा और लघु कुटीर उद्योगों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● परतंत्र भारत के निवासियों की पीड़ा और ब्रिटिश गुलामी से स्वतंत्रता की उत्कट अभिलाषा को जान सकेंगे, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे	● हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। ● वस्तु विनिमय की पद्धति के बारे में समझ विकसित होगी।	● कार्यपत्रक सं. 1-4 ● कार्यपत्रक सं. 6-8 ● कार्यपत्रक सं. 9-11 ● वाद-विवाद : मशीनी युग का मानव जीवन पर प्रभाव। ● आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर चर्चा।

2	**पाठ. 3** **बस की यात्रा** **(हरिशंकर परसाई)**	**व्यंग्य / व्यंग्य** व्यंग्य के माध्यम से व्यवस्था एवं परिस्थितियों पर टिप्पणी	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** भाषा और लिपि: पहचान कक्षा 7 भाषा और लिपि: प्रयोग **कक्षा 8** ● भाषा और लिपि – व्यंग्यात्मक भाषा ● विशेषण: पहचान, भेद, उदाहरण। ● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● गुणवाचक विशेषण ● श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द ● व्यंग्य पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास	● कहानी विधा से परिचित होंगे, ● आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● समाज में परंपरागत , वस्तुओं आदि के महत्त्व को अपने संदर्भ में अनुभव कर सकेंगे, ● व्यवस्था में व्याप्त कमियों को व्यंग्य के माध्यम से जान सकेंगे, ● पारंपरिक रहन-सहन परम्परा, ● भावों- विचारों के आपसी आदान- प्रदान में समर्थ होगें, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे ।	● विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। व्यंग्य विधा को समझ सकेंगे । ● विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। ● किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र,इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	● कार्यपत्रक सं. 5-6 ● कार्यपत्रक सं. 13, 15 ● कार्यपत्रक सं. 17, 19, 21, 23 ● 'व्यवस्था के प्रति हमारा कर्तव्य' पर समूह चर्चा

3	**पाठ. 6** **भगवान के डाकिए (रामधारी सिंह दिनकर)**	**कविता/स्वतंत्रता** प्रकृति के माध्यम से स्वतंत्रता की इच्छा को दर्शाने वाली कविता	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** लिंग,वचन: पहचान कक्षा 7 लिंग,वचन: भेद **कक्षा 8** ● लिंग और वचन के अनुसार वाक्य में परिवर्तन का अभ्यास ● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● संचार के पारंपरिक और आधुनिक माध्यमों की प्रकृति और उपयोगिता पर अनुच्छेद लेखन/निबंध लेखन/चित्र वर्णन	● कविता विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, ● देश की सीमाओं से परे एकल-विश्व की अवधारणा से परिचित होंगे, ● भगवान के डाकिये के रूप में पक्षी और बादलों के कार्यों और विशेषताओं से परिचित होंगे, ● पर्यावरण में पक्षी और बादलों के महत्त्व को जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे,	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। ● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक /सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके और एकता/सामूहिकता पर बातचीत करना। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे	● कार्यपत्रक सं. 18 ● डाक टिकट,पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफ़ाफ़ा आदि का संकलन और उसमें अपने सहपाठी को पत्र लेखन। ● प्रवासी पक्षियों के विषय पर चर्चा।

4	**पाठ- 7** **क्या निराश हुआ जाए** **हजारी प्रसाद द्विवेदी**	**निबंध** **जीवन-संघर्ष** जीवन में बहुत प्रकार की कठिनाइयाँ आती रहती है। उनसे भागने के बजाय उनका मुकाबला करना बेहतर विकल्प है और यही सफलता का मूल मंत्र है। जीवन के अनुभवों से सीखते हुए निराश होने के बजाय उससे जूझते हुए आगे बढ़ने की प्रवृति का विकास कराना।	● काल पहचान एवं प्रयोग पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- ● योजक चिह्नों का प्रयोग ● पठित/अपठित गद्यांश / पद्यांश का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर औपचारिक/ अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/ निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास	● 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● इस व्यवहार विषयक पाठ के माध्यम से समय और उसकी कठिनाई को जान सकेंगे, ● समय की उपयोगिता और हमारे जीवन के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, ● समय से जुड़े कई शब्द यथा- कठिनाई, संघर्ष, मानवीय चेतना आदि से परिचित होंगे, ● समय की कमी से होनेवाली कठिनाइयों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, ● समय और संघर्ष मे आने वाली कमियों को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस तथ्य को जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। ● विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। ● विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। ● किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र,इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	● जीवन में बहुत प्रकार की कठिनाइयाँ आती रहती है। उनसे भागने के बजाय उनका मुकाबला करना बेहतर विकल्प है और यही सफलता का मूल मंत्र है।
➢ **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 13 सितम्बर 2024 तक पूरा कर लिया जाए।** ➢ **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृति करवाई जाए।** ➢ **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "भारत की खोज" कक्षा-8 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं।**						
मध्यावधि परीक्षा						

क्र. सं.	(वसंत भाग 3) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
5	**पाठ. 8** **यह सबसे कठिन समय नहीं** **(जया जादवानी)**	**कविता/ जीवन-संघर्ष** जीवन के अनुभवो को नए परिवेश में ढालकर विद्यार्थियों को उससे परिचित कराना	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** मुहावरे: अर्थ **कक्षा 7** मुहावरे: वाक्य प्रयोग **का. सं. 12, 24, 34** **कक्षा 8** ● मुहावरे : पाठ में आए मुहावरों का अर्थ एवं उनका वाक्य प्रयोग ● पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- ● योजक चिह्नों का प्रयोग	● कविता' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● इस व्यवहार विषयक पाठ के माध्यम से समय और उसकी कठिनाई को जान सकेंगे, ● वक्त के प्रयोग ,उसकी उपयोगिता और हमारे जीवन के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, ● वक्त से जुड़े कई शब्द यथा- कठिनाई, संघर्ष, मानवीय चेतना आदि से परिचित होंगे, ● वक्त की कमी से होनेवाली कठिनाइयों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, ● समय और संघर्ष मे आने वाली कमियों को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस तथ्य को जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। ● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे	● कार्यपत्रक सं. 20 ● संघर्ष के माध्यम से विजय प्राप्त करनेवाले महापुरुषों का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र सूची बनाएँ। ● 'कठिन समय में हिम्मत न हारें' विषय पर स्लोगन/ नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन।

6	**पाठ.9** **कबीर की साखियाँ** **(कबीर)**	**साखियाँ / जीवन - मूल्य** जीवन के विभिन्न अनुभव को लेकर कबीर दास द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रस्तुति	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** नए शब्द जोड़कर शब्द निर्माण **कक्षा 7** उपसर्ग और प्रत्यय :पहचान **कक्षा 8** उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा नए शब्दों का निर्माण पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● देशज अथवा बोलचाल की भाषा में उच्चारण में अनुरूप वर्तनी परिवर्तन की समझ ● जीवन-मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	● साखियाँ' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● आम जनों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● आम जनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का सम्मान कर सकेंगे, ● अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करेंगें, ● अन्य क्षेत्रों और भाषाओं के साहित्य और शब्दावलियों से परिचित होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, ● कबीर की साखी शब्द के अर्थ से परिचित होंगे।	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। ● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● कबीर की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे	● कार्यपत्रक सं. 22 ● कार्यपत्रक सं. 24 ● कबीर के दोहों के आधार पर प्रयोग किए गए शब्दों की सूची बनाना और उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी एकत्र करना l ● देशज शब्दों का उनके हिंदी मानक रूप के साथ सूची बनाएँ।

7	**पाठ. 13** **जहाँ पहिया है** **(पी साईनाथ)**	**रिपोर्ताज/महिला सशक्तिकरण** महिला सशक्तिकरण पर आधारित कहानी जिसमें विकास के क्रम में पहिए की उपयोगिता और उससे हुए परिवर्तन का वर्णन।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** उपसर्ग और प्रत्यय की पहचान **कक्षा 7** उपसर्ग और प्रत्यय का प्रयोग **कक्षा 8** उपसर्ग और प्रत्यय से शब्द निर्माण	● **'रिपोर्ताज'** विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, ● पाठ में दिए गए कठिन शब्दों का अर्थ समझ सकेंगे, ● प्रत्येक अनुच्छेद में सन्निहित भाव एवं सीख से परिचित होंगे, ● यातायात के साधनों के विकास को जानने के प्रति जिज्ञासु होंगे। ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	● विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। ● विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। ● विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	● कार्यपत्रक सं. *30* ● कार्यपत्रक सं. *32, 34* ● कार्यपत्रक सं. 36, 39 ● यातायात के विभिन्न साधनों के बारे में समूह चर्चा। ● महिला सशक्तीकरण के लिए उठाये गए कदम व निर्णयों पर समूह में चर्चा।

8	**पाठ.14** **अकबरी लोटा (अन्नपूर्णा वर्मा)**	**कहानी/व्यंग्य** कहानी में पात्रों के माध्यम से परतंत्रता के समय में अंग्रेजों के साथ हुई घटनाओं में से एक छोटी सी घटना को लेकर के उस समय की प्रवृत्तियों का चित्रण करना।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** कारक चिह्न: पहचान **कक्षा 7** कारक चिह्न : भेद **कक्षा 8** कारक चिह्नों का वाक्य में प्रयोग का अभ्यास पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- ● मुहावरे अर्थ और प्रयोग ● लोकोक्ति अर्थ और प्रयोग ● देश की मूलभूत समस्याओं पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास	● 'कहानी,' से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● सामाजिक परिवेश, मानवीय जिज्ञासाओं के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● लोगो के अचार विचार, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, ● विभिन्न आंचलिक वस्तुओं के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, ● मानवीयता के प्रति संवेदनशील होंगे, ● राष्ट्रीय परिवेश के बारे में अधिक जिज्ञासु होकर उनसे सम्बंधित जानकारियां एकत्रित कर सकते हैं, ● मनुष्य और परिस्थितियों के बीच के आपसी सम्बन्धों को जान सकेंगे, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा,	● हास्य विधा का परिचत हो सकेंगे। हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/ सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।	● कार्यपत्रक सं. *35* ● कार्यपत्रक सं. *38* ● कार्यपत्रक सं. 42 ● किन्हीं दस प्राचीन भारतीय वस्तुओं का संक्षिप्त विवरण देते हुए सचित्र प्रस्तुति। ● 'संग्रहालय क्यों होते हैं?' विषय पर चर्चा।

9	**पाठ. 15** **सूर के पद** **(सूरदास)**	**काव्य, पद**/ वात्सल्य प्रेम वात्सल्य एवं प्रेम के विभिन्न भागों, बाल सुलभ क्रिया-कलापों को चित्रित करती सूरदास जी के पदावली के अंश की प्रस्तुति	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** पर्यायवाची: पहचान **कक्षा 7** पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग **का. सं. 2 ,30** **कक्षा 8** पर्यायवाची शब्दों की सूची पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● पर्यायवाची शब्दों का अभ्यास ● वात्सल्य प्रेम पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	● पद काव्य' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● सूर के पद के आधार पर जीवन, व्यक्तित्व, भक्ति और वात्सल्य के बारे में जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। ● सूरदास जी के वात्सल्य वर्णन से परिचित होंगे व ब्रज भाषा से परिचित होंगे।	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। ● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● वात्सल्य रस के विषय में जान सकेंगे। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे	● कार्यपत्रक सं. 37 ● कार्यपत्रक सं. 39 ● सूरदास से संबंधित जानकारी एकत्र करते हुए समूह परियोजना के रूप में प्रस्तुति। ● सूरदास के पदों की कक्षा में संगीतात्मक प्रस्तुति।

10	**पाठ- 16** **पानी की कहानी** **रामचंद्र तिवारी**	**निबंध** कहानी में पात्रों के माध्यम से परतंत्रता के समय में अंग्रेजों के साथ हुई घटनाओं में से एक छोटी सी घटना को लेकर के उस समय की प्रवृत्तियों का चित्रण करना।	● लोकोक्ति : पहचान और प्रयोग ● वाक्यांश के लिए एक शब्द ● पठित/अपठित गद्यांश / पद्यांश का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर औपचारिक/ अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/ निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास	● निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● इस विज्ञान विषयक पाठ के माध्यम से पानी की उत्पत्ति और उसके प्रयोग के बारे में जान सकेंगे, ● पानी की उपयोगिता और हमारे जीवन के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, ● पानी की कमी से होनेवाली कठिनाइयों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, ● आने वाले समय में पानी की कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है, इसके बारे में सोचेंगे,	● 'वैश्विक तापमान वृद्धि ' और हिमनदों के पिघलने से उत्पन्न खतरों पर चर्चा करेंगे।	● जल चक्र एवं जल संरक्षण विषय पर निबंध, वाद-विवाद एवं संवाद लेखन। ● 'जल का महत्त्व' विषय पर नारा लेखन।

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2025 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे ।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृति करवाई जाए।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "भारत की खोज" कक्षा-8 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है।**

वार्षिक परीक्षा